उत्तर

HINDI A

Class 10 - हिंदी ए

खंड क - अपठित बोध

1. 1. iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   2. i. कथन I, II और IV सही हैं।
   3. i. I (1), II (2), III (3)
   4. इसका यह असर हुआ कि बच्चों की सेहत, शिक्षा, सुरक्षा से सम्बन्धित नए कानून बने, मंत्रालय या विभाग गठित हुए, संस्थाएँ और आयोग बने ।इनसे उनकी स्थिति में सुधार तो हुआ है पर वह नाकाफ़ी है।
   5. आज भी देश में हर साल लाखों बच्चे गुम हो जाते है। लाखों बच्चे स्कूलों में पढ़ने से वंचित हैं । बड़ी संख्या में बच्चे श्रम करने के लिए मज़बूर हैं तथा स्कूलों में पिटाई और घरेलू हिंसा के शिकार हैं।
2. I. (ii) वह पेट भरने लायक भी नहीं कमा पाता
   II. (ii) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   III. (i) कथन I और III सही हैं।
   IV. जेठ का महीना कवि को बाधित नहीं कर रहा है क्योंकि वह अपने काम में मग्न है।
   V. उसने बडे-से-बड़े लोगों को भी अपना कष्ट नहीं बताया क्योंकि वह अपने काम में तल्लीन है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. मैं पुस्तकालय गया और प्रेमचंद द्वारा लिखित गोदान उपन्यास पढ़ा।
   ii. हेलमेट नहीं लगाने के कारण उसका चालान किया गया।
   iii. एक मान्यता है कि उनका जन्म मथुरा के निकट रुनकता में हुआ था।
   iv. संज्ञा उपवाक्य
   v. मैंने बस्ती की ओर जाने वाले रास्ते को ढूँढ निकाला।
4. i. किसान ने खेत की जुताई की।
   ii. कितने कंबल बाँटे गये?
   iii. आओ, यहाँ बैठा जा सकता है।
   iv. सैनिक देश की रखवाली करते हैं।
   v. दर्द के कारण उससे चला नहीं जाता।
5. i. सफेद-विशेषण (गुणवाचक) मूलावस्था, पुल्लिंग, विशेष्य घोड़ा का विशेषण।
   ii. खीरा-जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन कर्ताकारक।
   iii. यह-विशेषण (सर्वनामिक), 'भाषा' विशेष्य का विशेषण, अन्य पुरुष, पुरुषवाचक स्त्रीलिंग एकवचन।
   iv. हमेशा-कालवाचक क्रिया विशेषण
   v. **वह**- सर्वनाम, अन्यपुरुष, एकवचन, पुल्लिग।
6. i. उपमा अलंकार
   ii. रूपक अलंकार
   iii. रूपक अलंकार
   iv. उत्प्रेक्षा अलंकार
   v. अतिश्योक्ति अलंकार

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किन्तु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रोकर कहती-मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए। लेकिन भगत का निर्णय अटल था। तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूंगा-यह थी उनकी आखिरी दलील और इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती?

(i) **(क)** भगत जी का निर्णय
व्याख्या:
भगत जी का निर्णय

(ii) **(क)** पतोहू को मायके भेजने के लिए
व्याख्या:
पतोहू को मायके भेजने के लिए

SATISH SCIENCE ACADEMY

(iii) **(क)** दूसरी शादी करने के लिए
व्याख्या:
दूसरी शादी करने के लिए

(iv) **(ग)** बालगोबिन भगत की सेवा करने के लिए
व्याख्या:
बालगोबिन भगत की सेवा करने के लिए

(v) **(घ)** बालगोबिन भगत की बहु ने
व्याख्या:
बालगोबिन भगत की बहु ने

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) हालदार साहब को पान वाले की मृत्यु की बात बताते हुए पान वाला उदास हो गया क्योंकि उसने कैप्टन के प्रति मानवीय लगाव और संवेदनशीलता का अनुभव किया था। पान वाले और कैप्टन के बीच आत्मीयता और स्नेह का रिश्ता था, जो पान वाले की उदासी को स्पष्ट करता है। इसके बावजूद कि पान वाला अक्सर कैप्टन का मज़ाक बनाता था, उसकी मृत्यु की खबर ने उसे गहरे भावनात्मक प्रभाव में डाल दिया।

(ii) मन्नू भंडारी को नए सिरे से अपने अस्तित्व का बोध बड़े भाई-बहनों की छत्र-छाया के हटने के बाद हुआ। इस स्थिति में उन्होंने अपने व्यक्तिगत अस्तित्व और स्वतंत्रता की गहराई से समझ विकसित की।

(iii)'लखनवी अंदाज' के पात्र नवाब साहब ने सफर में समय बिताने के लिए खीरे खरीदे तथा खीरे काफी देर तक तौलिए पर यों ही रखे रहने दिए। फिर उनको सावधानी से छीलकर फाँकों को सजाया और उन फाँकों पर जीरा मिला नमक-मिर्च बुरक दिया और फिर सूँघ-सूँघकर उनको ट्रेन की खिड़की से बाहर फेंक दिया। हमारा विचार है कि उनका यह व्यवहार उनकी नज़ाकता और लखनवी संस्कृति के साथ ही उनकी जीवन-शैली की कृत्रिमता और दिखावे को भी प्रदर्शित करता है। यह उनकी खानदानी रईसी दिखाने का भी तरीका था। नवाब साहब सामंती वर्ग के प्रतीक हैं जो आज भी अपनी झूठी शान बनाए रखना चाहता है।

(iv)लेखक ने आविष्कर्ता और आविष्कृत चीज़ के मध्य यह संबंध बताया है कि आविष्कृत वस्तु जितनी परिष्कृत होगी, वह व्यक्ति उतना ही अधिक परिष्कृत आविष्कर्ता होगा।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

तब भी कहते हो - कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे - यह गागर रीती।
किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले -
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले।
यह विडंबना! अरी सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।
भूले अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ मैं।
उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ; मधुर चाँदनी रातों की।
अरे खिल-खिलाकर हँसते होने वाली उन बातों की।
मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।
आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।

(i) **(ख)** सरल और सामान्य
व्याख्या:
सरल और सामान्य

(ii) **(ख)** विनम्र स्वभाववश अपनी जीवन-कथा को आम आदमी की कथा मानना।
व्याख्या:
विनम्र स्वभाववश अपनी जीवन-कथा को आम आदमी की कथा मानना।

(iii) **(घ)** प्रेयसी/पत्नी के साथ व्यतीत मधुर स्मृतियों को
व्याख्या:
प्रेयसी/पत्नी के साथ व्यतीत मधुर स्मृतियों को

(iv) **(ख)** विशिष्ट उपलब्धियों का न होना
व्याख्या:
विशिष्ट उपलब्धियों का न होना

(v) **(ग)** जीवन के यथार्थ एवं अभाव पक्ष की मार्मिक अभिव्यक्ति
व्याख्या:
जीवन के यथार्थ एवं अभाव पक्ष की मार्मिक अभिव्यक्ति

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

SATISH SCIENCE ACADEMY

(i) कवि निराला के अनुसार बादलों में वज्र की असीम शक्ति छिपी हुई होती है | इसी प्रकार की असीम शक्ति मनुष्य में भी छिपी हुई होती है | बादल गरजकर मानव में नवीन चेतना भर देते हैं जिससे मानव मन परिवर्तन के लिए उत्तेजित हो जाता है |

(ii) "फसल" कविता में कवि ने फसल के उगने में आवश्यक तत्त्वों का उल्लेख करते हुए कहा है कि यह लाखों लोगों के हाथों के स्पर्श, ढेर सारी नदियों के पानी का जादू, हजारों खेतों की मिट्टी के गुण-धर्म, सूर्य की किरणों का रूपांतरण, और हवा की थिरकन के संकोच पर निर्भर करती है। ये सभी तत्त्व मिलकर फसल के समृद्धि और गुणवत्ता में योगदान देते हैं, और प्रत्येक का महत्व फसल की अच्छी उपज में समाहित होता है।

(iii) संगतकार के माध्यम से कवि ऐसे व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है जिनकी सामाजिक तौर पर कोई विशिष्ट पहचान नहीं होती फिर भी वे अपने कार्यक्षेत्र में महत्त्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। दूसरे के अस्तित्व एवं व्यक्तित्व के निर्माण अपना पूर्ण सहयोग देते हैं, परंतु उसकी कभी चर्चा नहीं करते। इस प्रकार के व्यक्तियों के योगदान पर समाज का उतना ध्यान नहीं जाता क्योंकि वे खुद पीछे रहकर दूसरों को आगे बढ़ने में योगदान देते हैं। वास्तव में समाज उनके योगदान को भुलाकर देता है क्योंकि वह केवल शीर्ष पर पहुँचे हुए व्यक्ति को ही देखता है। समाज केवल विजेताओं को देखना चाहता है, उसके पीछे योगदान देने वालों से उसे कोई मतलब नहीं है।

(iv) उद्धव निर्गुण ब्रहम के ज्ञाता थे और वे गोपियों को योग का संदेश देने आये थे लेकिन गोपियों ने उनकी एक भी नहीं सुनी क्योंकि सच्चे प्रेम में इतनी शक्ति होती है कि बड़े-से-बड़ा ज्ञानी भी उसके आगे घुटने टेक देता है। गोपियों के पास श्री कृष्ण के प्रति सच्चे प्रेम तथा भक्ति की शक्ति थी जिस कारण उन्होंने उद्धव जैसे ज्ञानी तथा नीतिज्ञ को भी अपने वाक्चातुर्य से परास्त कर दिया।

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना इसलिए भूल जाता है क्योंकि बच्चों को अपनी उम्र के बच्चों के साथ ही खेलना अच्छा लगता है। वह अपने मित्रों के साथ उन सब खेलों का आनंद लेना चाहता होगा। मित्रों के साथ खेलते समय यदि वह रोता है तो उसके मित्र उसकी हंसी बनाते हैं और उसे अपने साथ नही खिलाते।

(ii) आजकल विज्ञान का दुरुपयोग अनेक जानलेवा कामों के लिए किया जा रहा है। आज आतंकवादी संसार-भर में मनचाहे विस्फोट कर रहे हैं। कहीं अमरीकी टावरों को गिराया जा रहा है। कहीं मुंबई बम-विस्फोट किए जा रहे हैं। कहीं गाड़ियों में आग लगाई जा रही है। कहीं शक्तिशाली देश दूसरे देशों को दबाने के लिए उन पर आक्रमण कर रहे हैं। जैसे, अमरीका ने इराक पर आक्रमण किया तथा वहाँ के जनजीवन को तहस-नहस कर डाला।

विज्ञान के दुरुपयोग से चिकित्सक बच्चों का गर्भ में भ्रूण-परीक्षण कर रहे हैं। इससे जनसंख्या का संतुलन बिगड़ रहा है। विज्ञान के दुरुपयोग से किसान कीटनाशक और जहरीले रसायन छिड़ककर अपनी फसलों को बढ़ा रहे हैं। इससे लोगों को स्वास्थ्य खराब हो रहा है। विज्ञान के उपकरणों के कारण ही वातावरण में गर्मी बढ़ रही है, प्रदूषण बढ़ रहा है, बर्फ पिघलने को खतरा बढ़ रहा है तथा रोज-रोज भयंकर दुर्घटनाएँ हो रही हैं।

(iii) जल संरक्षण से अभिप्राय है- जल के प्रयोग को घटाना एवं सफाई, निर्माण एवं कृषि आदि के लिए अवशिष्ट जल का पुनः चक्रण करना। जल एक ऐसा अमृत है, जिसके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती, जीवित रहने के लिए हम पूर्णरूपेण जल पर निर्भर हैं, पर प्रकृति से लगातार छेड़छाड़ विभिन्न समस्याओं को जन्म दे रही है, अंधाधुंध वृक्षों की कटाई व प्राकृतिक संसाधनों के,विनाश से वर्षा भी अनियमित हो रही है। जल के अभाव से भूजल स्तर में कमी आ गई जिसके कारण खेतों की मिट्टी में अपर्याप्त कमी हो गई है। इन्हीं सब दुष्प्रभावों को देखते हुए आजकल जल संरक्षण अभियान, जल रोको अभियान चलाये जा रहे हैं। इस अभियान के अन्तर्गत सार्वजनिक जल स्रोतों या निजी जल स्रोतों के शोधन व जीर्णोद्धार का कार्य शासकीय व व्यक्तिगत सहयोग से कराया जाना आवश्यक है। जल संरक्षण के लिए हमें पानी की बर्बादी रोकनी चाहिए। वर्षा के जल को व्यर्थ बहने से रोकना चाहिए। अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर वर्षा के वातावरण को तैयार करना चाहिए।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) **लड़का-लड़की एकसमान**

हम सभी मनुष्य एक सामाजिक प्राणी हैं। हमारे समाज में लड़का और लड़की दोनों प्रजाति के लोग निवास करते हैं। हमारे समाज और देश को चलाने के लिए लड़का और लड़की दोनों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। पहले लोग लड़कियों की तुलना में लड़कों को अधिक महत्त्व देते थे। इसका यह कारण था कि लड़कों को बाहर जाना पड़ता था और नौकरी करनी पड़ती थी इसलिए उन्हें अधिक देखभाल और अधिक शक्ति की आवश्यकता थी। लड़कियों को बाहर जाने की इजाज़त नहीं थी। उन्हें घरों के अंदर रहना पड़ता था और घरेलू काम करना पड़ता था। लड़कों को शिक्षा दी जाती थी लेकिन लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने की अनुमति नहीं थी। लड़कियों को समाज में लड़कों से कम माना जाता है तथा लड़कियों को केवल घर के कामों के योग्य समझा जाता है। यह बिल्कुल ही गलत होता है, लोगों को ऐसी सोच नहीं रखनी चाहिए और लड़कियों को भी लड़कों के समान सभी क्षेत्र में अवसर प्रदान करने चाहिए। लड़कों को कहीं भी आने-जाने का अधिकार दिया जाता है, उसी प्रकार लड़कियों को भी बिना रोक-टोक के अधिकार देने चाहिए ताकि लड़कियाँ भी देश की प्रगति में अपना योगदान दे सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना और उन्हें समाज में सम्मान देना आवश्यक है। सरकारी योजनाएँ उन्हें शिक्षा और स्वविकास के लिए सहायता प्रदान करनी चाहिए।

यदि लड़का-लड़की एकसमान होंगे, तो समाज और देश दोनों का प्रगति करने में सक्रिय योगदान मिलेगा। समाज में जागरूकता बढ़ाने के लिए समाज संगठनों को लड़का-लड़की समानता को प्रचारित करने के लिए जागरूक करना चाहिए। स्कूल और कॉलेजों में संभलता और समानता को प्रोत्साहित करना अनिवार्य है। ऐसा करके हम एक समृद्ध और उत्थानशील समाज का निर्माण कर सकते हैं, जहाँ हर व्यक्ति अपने सपनों को पूरा कर सकता है।

(ii) **ऑनलाइन खरीदारी : व्यापार का बदलता स्वरूप**

ऑनलाइन शॉपिंग आज के समय में हम सभी के लिए बहुत ही अच्छा विकल्प है। पहले अक्सर बाजारों में लोग जा करके अपना कीमती समय बर्बाद करते थे और उन्हें अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था पर ऑनलाइन शॉपिंग में ऐसा नहीं होता है। ग्राहक समय और पैसा

SATISH SCIENCE ACADEMY

दोनों बचाता है। विक्रेता अपनी-अपनी वेबसाइट पर उत्पाद के विवरण लगातार अपडेट करते रहते हैं। लोगों ने कोरोना वायरस के दौरान अधिक मात्रा में ऑनलाइन ऑर्डर करना शुरू कर दिया है। आज जरूरत का सामान हो या खाने पीने का सामान हम ऑनलाइन आर्डर कर किसी को भी मंगवा सकते हैं। इसके अलावा आज के समय में हमें इस बात का ध्यान रखना है कि हम जिस जगह पर इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध हो। आज के लोगों के पास इतना समय नहीं होता कि वे सारा दिन बाजार में जाकर खरीदें। अधिक लोग शॉपिंग करना ही पसंद करते हैं इसके साथ ही साथ कुछ चीजें ऐसी हैं जिनसे हमें बचना होता है जैसे हम जिसको खरीद रहे हैं वह कैसी है इसकी जानकारी हमें ऑनलाइन शॉपिंग करने से पहले ही प्राप्त कर लेनी चाहिए। ऑनलाइन शॉपिंग करने का फायदा यह भी है कि हम किसी मॉल में जाते हैं तो वहाँ पर कपड़े ढूंढने में काफी समय लग जाता हैं। इसे हम ऑनलाइन खरीद सकते हैं और बहुत ही आसानी से वापस कर सकते हैं। हम किसी भी वस्तु को लेने के लिए निकलते हैं तो हमें बहुत ही कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है पर ऑनलाइन शॉपिंग में ऐसा कुछ नहीं होता क्योंकि हमें घर बैठे ही वस्तु मिल रही है।ऑनलाइन शॉपिंग करने का हमें कभी-कभी खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है। हम वेबसाइट के बारे में पहले से जानकारी नहीं उठाते हैं तो हो सकता है कि हम उसके द्वारा ठगे जा रहे हो। कुछ वेबसाइट की पॉलिसी ऐसी है कि मंगवाई हुई वस्तु यदि हमें समझ में नहीं आई और अगर हम उसे वापस करना चाहते हैं तो उसमें हमें कुछ पैसा देना पड़ता है। आज के समय में जब लोग इतने व्यस्त हो गए हैं कि उन्हें खाने तक का समय नहीं मिलता तो वह बाजार से खरीदारी करने के बारे में सोचेंगे नहीं। ऐसे लोग ऑनलाइन शॉपिंग करके अपना कीमती समय बचा सकते हैं। सरल भाषा में यदि बात करें तो समाज के लिए ऑनलाइन शॉपिंग अधिक जरूरी बन गया है। इससे समय की बचत होती हैं और साथ ही साथ बाजार की आपाधापी से भी बचत होती है। ऑनलाइन शॉपिंग में आज हमारे विचारों को एक नई दिशा प्रदान की है। इसके साथ-साथ लोगों की सोच में भी विकास हुआ है।

(iii) खेलों का महत्त्व समाज के स्वास्थ्य और समृद्धि में अत्यधिक है। यह केवल शारीरिक फिटनेस ही नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। खेलों के माध्यम से व्यक्ति में अनुशासन, टीमवर्क और आत्म-संयम जैसी गुणों का विकास होता है, जो जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी उपयोगी साबित होते हैं।

हाल के वर्षों में सोच में एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। पहले जहां खेलों को केवल मनोरंजन का माध्यम माना जाता था, अब यह एक गंभीर करियर विकल्प के रूप में भी देखा जाता है। लोगों की मानसिकता में यह परिवर्तन हुआ है कि खेल केवल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि एक पेशेवर क्षेत्र है, जिसमें उत्कृष्टता और सफलता की संभावनाएं हैं।

इस बदलती सोच के साथ-साथ खेलों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं। स्कूलों और कॉलेजों में खेलों के प्रति उत्साह बढ़ाया जा रहा है, और युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष योजनाएं बनाई जा रही हैं। सरकार और निजी क्षेत्र दोनों ही खेलों के विकास के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं, जिससे खिलाड़ी अपने कौशल को सुधार सकें और खेल में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।

इस प्रकार, खेलों के प्रति बढ़ता रुझान केवल व्यक्ति के व्यक्तिगत विकास के लिए नहीं, बल्कि समाज के समग्र स्वास्थ्य और प्रगति के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

13. परीक्षा भवन
सूरत
संपादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
गुजरात
दिनांक - 22 अप्रैल 2022

विषय - भोजन की बर्बादी को रोकने के संदर्भ में।

मान्यवर,

मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से जनता, अधिकारियों तथा सरकार का ध्यान विभिन्न उत्सवों में भोजन की बर्बादी पर ध्यान दिलाने की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ। आशा है कि आप मेरे पत्र को अपने प्रतिष्ठित समाचार पत्र में प्रकाशित करेंगे। जिससे कि लोगों में जागरूकता आ सके। आज के युग में लोग उत्सवों व शादियों में दिखावे के लिए तरह-तरह के व्यंजन बनवाते है, क्योंकि वे अपनी झूठी शान के लिए ही ऐसा करते हैं। शादियों में आए लोग खाना बहुत ही बर्बाद करते हैं। लोग उत्सवों में कम-से-कम लोगों को निमंत्रण देकर खाना बचा सकते हैं। उत्सवों में जो भी खाना बचता है, उसे अनाथालय तथा भिखारियों को भिजवा देना चाहिए। जिससे कि उनकी उदयपूर्ति हो सकें।

महोदय, आपसे विनम्र निवेदन है कि आप स्वयं अपने स्तर पर इस कार्य के प्रति मेरा सहयोग दें ताकि हमारे समाज में फैली ऐसी समस्याओं का निवारण किया जा सके।

धन्यवाद।

प्रार्थी
अनन्या

अथवा

पी-276,
हुकुमराव अपार्टमेंट,
वसंत विहार, दिल्ली।
02 मार्च, 2019

आदरणीय चाचा जी,

सादर चरण-स्पर्श।

आपका भेजा हुआ पत्र मिला। आप सपरिवार स्वस्थ एवं कुशल हैं यह जानकर खुशी हुई किंतु घर के सभी लोगों की खुशी उस समय देखने लायक थी जब

SATISH SCIENCE ACADEMY

यह जाना कि आपकी पदोन्नति हो गई है। यह आपकी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का फल है। चाचा जी, आपकी नियुक्ति कनिष्ठ अभियंता पद पर हुई थी, किंतु आपने अपनी सच्चाई, मेहनत और ईमानदारी से कार्य करने की शैली के कारण उच्चाधिकारियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। आपने उच्च गुणवत्ता वाली सामग्रियों का इस्तेमाल कर सरकारी भवनों, कार्यालयों, पुलों की आयु-सीमा में वृद्धि की, यह गोपनीय रिपोर्ट से सिद्ध हो गया था। समय से पूर्व ही आपकी अभियंता, वरिष्ठ-अभियंता और अब मुख्य अभियंता पद पर पदोन्नति हुई है। इस पदोन्नति पर मैं परिवार की ओर से आपको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ। मैं कामना करता हूँ कि इस पद को सुशोभित करते हुए आप नई ऊँचाइयाँ छुएँ।
आदरणीय चाची जी को प्रणाम तथा शैली को स्नेह।
आपका भतीजा,
सचिनबंसल

14. सेवा में,
प्रबंधक महोदय,
ग्रीन वूड पब्लिक स्कूल,
नई दिल्ली
विषय- नौकरी के लिए आवेदन पत्र
महोदय,
विश्वस्त सूत्रों द्वारा यह पता चला है कि आपके विद्यालय में एक हिंदी शिक्षक की आवश्यकता है।इसके लिए मैं अपने को उपस्थित करता हूँ। मुझे हिंदी पढ़ना अच्छा लगता है। मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय से एम.ए. (हिंदी) परीक्षा पास की है। मुझे खेल कूद में भी काफी रूचि है। मेरी शैक्षणिक योग्यताएँ तथा परिचय इस प्रकार हैं-
    - पिता का नाम - गौतम राणा
    - जन्म तिथि - 10/०9/19190
    - पत्र व्यवहार - 10, विकासपुरी, नई दिल्ली
    - **शैक्षणिक योग्यताएँ**-
        - दिल्ली विश्वविद्यालय से एम.ए (हिंदी), 2010।
        - दिल्ली विश्वविद्यालय से बी.एड. 2012 में।
    - **विशेष योग्यता**-
        - बी.ए में वि.वि. में प्रथम स्थान
        - खेलकूद में विशेष रूचि है।

अनुभव- वर्तमान में मैं इलाहाबाद के प्रतिष्ठित विद्यालय में कार्यरत हूँ। उसका एक प्रमाण पत्र भी संलग्न है।
यदि इस पद को संभालने का उत्तरदायित्व श्रीमान ने मुझे सौपा तो मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं अपने कठिन परिश्रम से हिंदी और हिंदी के छात्रों को उच्च स्तर तक ले जाने का अथक प्रयास करुँगा।
भवदीय
गोविन्द राणा
10, विकासपुरी,
नई दिल्ली
दिनांकः 08 मई, 2019

अथवा

From : priya15@gmail.com
To : govi@tutorial.com
CC ...
BCC ...
विषय - ट्यूशन टीचर की आवश्यकता हेतु जानकारी
महोदय,
मैं प्रिया कुमारी दसवीं कक्षा की विद्यार्थी हूँ। मुझे जानकारी प्राप्त हुई कि आप विभिन्न विषयों की ट्यूशन की जानकारी उपलब्ध कराते हैं। मुझे अपने लिए एक गणित विषय की ट्यूशन की आवश्यकता है।
आपसे अनुरोध है कि मुझे गणित विषय का ट्यूशन उपलब्ध कराने में सहायता करें।
धन्यवाद
प्रिया कुमारी

बजाज कंपनी
गोविंद नगर,
दिल्ली

SATISH SCIENCE ACADEMY

15.

सेल! सेल! सेल!

दशहरा मेला

दीपावली के अवसर पर हमारे शोरूम में विभिन्न प्रकार के बिजली के उपकरण उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। जैसे - फ्रिज, मिक्सी, ए.सी., पंखें, कूलर इत्यादि। ये उचित व किफायती दामों पर 25% छूट के साथ 10 दिन तक बेचे जा रहे है आप हमारे शोरूम में आकर सुनहरे मौकें का फायदा उठाएँ।

संपर्क करें - गोविंद इलैक्ट्रिकल, गोविंद नगर, दिल्ली

फोन नं. - 984575XXXX

अथवा

दिनांक: 5 अप्रैल 2022

प्रिय सखी

कविता

विद्यालय में नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने की शानदार सफलता मिलने पर तुम्हें बहुत सारी शुभकामनाएँ। इसी प्रकार परिश्रम करते सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ती रहो। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम्हारा हर सपना पूरा हो और तुम पुष्प की तरह सदैव खिलती रहो, मुस्करती रहो। इस कामयाबी पर बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

तुम्हारी मित्र

पूजा

SATISH SCIENCE ACADEMY